नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

गांधी जी के रचनात्मक कार्यक्रमों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए – प्रो. टी. करूणाकरण

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में मनायी गांधी जयंती

वर्धा, 3 अक्टूबर 2018 : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा बताए गये रचनात्मक कार्यक्रमों को पाठ्यक्रमों में शामिल करते हुए नई पीढ़ी में गांधी विचारों को रोपित किये जाने की आवश्यकता है। गांधी जी के सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा संस्थानों को आगे आकर मूल्य शिक्षा को माध्यम से देश और समाज को नेतृत्व प्रदान करने का कार्य करना चाहिए। उक्त विचार गांधीग्राम ग्रामीण विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के पूर्व कुलपति, टी. करूणाकरण ने व्यक्त किये। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गांधी हिल्स पर आयोजित गांधी जयंती समारोह

में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम का संचालन गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने किया तथा सर्वधर्म प्रार्थना महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का प्रारंभ गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। समारोह में गांधी जी का प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो..' की प्रस्तुति डॉ. अप्रमेय मिश्र एवं साथी कलाकारों ने की। आभार ज्ञापन कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह ने किया।

प्रातः 6.30 बजे से आयोजित कार्यक्रम में प्रो. करूणाकरण ने कहा कि महात्मा गांधी ने हिंद स्वराज के माध्यम से नई सभ्यता की कल्पना करते हुए देश और दुनिया के सामने नए संविधान के रूप में प्रस्तुत किया है। ग्रामोद्योग, ग्रामीण आर्थिक क्षेत्र, नई तालिम, ग्राम स्वराज आदि कार्यक्रमों के माध्यम से गांधी जी ने अपना चिंतन देश के सामने रखा था। आज इस दिशा में विश्वविद्यालयों और शिक्षा संस्थाओं को कार्य करना चाहिए। शाश्वत और स्वस्थ्य आजीविका के लिए हमें गांधी विचारों के पास जाना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि विदेशों में महात्मा गांधी जी को भारत का

पर्याय माना जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में संचालित बी.एड. और समाज कार्य जैसे पाठ्यक्रमों में गांधी विचारों का शामिल किया जा सकता है। हमने गांधी साक्षरता अभियान साल भर पहले से शुरू है और इसके

सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने 'बापू ने कहा था', 'गांधी संचयन', बाल गांधी तथा मेरी कहानी आदि पुस्तकें तैयार करने की योजना बनायी है और इन में से कुछ किताबें तैयार भी हुई हैं। समारोह में अध्यापक, अधिकारी, विद्यार्थी तथा कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।